RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 12 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 26 अगस्त 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

मार्ग दुरुस्त हुआ

31 जुलाई की रात आपदा से तावह हुए गौरीकुण्ड केदारनाथ पैदल मार्ग को दुरुस्त कर लिया गया है। 15 दिन की अड़चन के बाद पैदल तीर्थयात्रियों ने मार्ग से यात्रा की। हैली सेवा भी जारी है।

भारत-नेपाल सुगम यात्रा की तैयारी

खटीमा से दोधारा चाँदनी तक दौड़ेंगे वाहन और बढ़ेगा बाजार

बाढ़ के खतरे से बचाव को पानी निकासी जरूरी

पि.हि.प्रतिनिधि

टनकपुर/बनबसा। नेपाल के ड्रायपोर्ट को जोड़ने वाली निर्माणधीन सड़क से बनबसा में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने बीते दिनों बनबसा में बाढ़ से मची तबाही और नुकसान के लिये निर्माणाधीन सड़क को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा को ज्ञापन भेज भारत-नेपाल एनएच 109 पर बरसाती पानी की निकासी की मांग की है।

बताते चलें कि भारत-नेपाल के बीच सुगम यात्रा की तैयारी के लिये जबर्दस्त कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के विधानसभा क्षेत्र में जगबुड़ा पुल, बनबसा के पास से जिस प्रकार कार्य प्रगति पर है वह देवीपुरा, भैंसाझाला, देशीफार्म, दोदरा चाँदनी/दोधाराचाँदनी, गढ़ीगोठ नेपाल जाने का सुगम मार्ग बनने जा रहा है। इसके बनने से खटीमा से लेकर नेपाल तक बाहनों दौड़ आसान होगी और बाजार विस्तारित होगा। रोजगार के साधन भी बनने जा रहे हैं लेकिन इस बार की बरसात ने जिस प्रकार का मंजर दिखाया है उससे बनबसा के लोग परेशान हो चुके हैं। 8 और 13 जुलाई को हुई बारिश में बनबसा के देवीपुरा, गुदमी, पचपकरिया, देवीफार्म, पचपकरिया गोठ, रेलवे लाइन, बमनपुरी चन्दफार्म, चूनाभट्टा गांव स्थित घरों में दस-बारह फिट तक पानी भर गया था। एक किशोरी के बहने से मृत्यु हो गई। कई मवेशी हताहात हुए। घरों, दुकानों का सामना बर्बाद हो गया। करीब 172 परिवारों को विस्थापित किया गया।

क्षेत्रवासियों ने केन्द्रीय सड़क राज्य मंत्री टम्टा को ज्ञापन में अपनी व्यथा लिखने के साथ ही शीघ्र ही पानी निकासी की व्यवस्था करवाने की मांग की है। कहा है कि जिस प्रकार से निर्माण कार्य हो रहा है, इसमें यदि पानी निकासी तुरन्त नहीं की जाती है तो भारी नुकसान होगा। बताते चलें कि टनकपुर के छीनी, बिचई, सेना छावनी, फागपुर, चांदनी, भजनपुरा, बनबसा बाजार के बरसाती पानी की निकासी का एकमात्र स्थान देवीपुरा है। यहाँ सड़क निर्माण में मिट्टी और रेत भरान किया जा रहा है। इससे बरसाती पानी की निकासी नहीं होने से क्षेत्र में बाढ़ का खतरा है। इससे देवीपुरा, पचपकरिया, देशीफार्म के कई बीघा भूमि पर रेता भर जाने से कृषि भूमि बंजर हो गई है।

केदारनाथ आपदा न यात्रियों की सही संख्या पता न मौसम की चेतावनी का असर

डा. हरीश चन्द्र अन्डोला

केदारनाथ क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक और भूगर्भीय स्थिति ऐसी है कि वहाँ भूस्खलन, भूकम्प और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाओं के साथ चलने की कला सीखनी ही होगी। अगर हमने प्रकृति के प्रतिकूल जिद नहीं छोड़ी तो भगवान केदारनाथ के कोप का बार-बार भाजना बनना ही होगा। इसरो ने 2023 में देश के भूस्खलन सम्वेदनशील 147 जिलों का जोखिम मानचित्र तैयार किया था। इसमें सबसे ऊपर रुद्रप्रयाग जिले को रखा था, जहाँ 31 जुलाई 2024 को आई आपदा के कारण इन दिनों हजारों तीर्थयात्रियों की जानें संकट में फंसी रही। दूसरे नम्बर पर उत्तराखण्ड का ही टिहरी जिला अत्यन्त जोखिम की श्रेणी में रखा गया था। वहाँ भी गत 26 एवं 27 जुलाई की रात को भूस्खलन से तिनगढ़ गाँव तबाह हो गया। इसरो के जोखिम मानचित्र पर पश्चिमी घाट पर्वत श्रेणी से लगे केरल के वायनाड सहित सारे 14 जिले शामिल किये गये थे। वर्ष 2013 की आपदा के बाद, शासन स्तर पर केदारनाथ में डॉप्लर राडार लगाने की बात कही गयी थी, जिससे मौसम का सटीक पूर्वानुमान मिल सके और इस तरह की मुश्किलों से निपटने के लिए पहले से इन्तजाम किए जा सकें। लेकिन एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी केदारनाथ क्षेत्र में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित नहीं हो सका। विशेषज्ञों का कहना है कि केदारनाथ में डॉप्लर राडार स्थापित होता तो बीते 31 जुलाई को पैदल मार्ग पर बादल फटने के बाद उपजे हालात से निपटने के लिए शासन, प्रशासन को इतनी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग, तथा विश्वविद्यालय के भूवैज्ञानिकों ने केदार घाटी, जो कि सबसे सम्वेदनशील मुख्य केन्द्रीय भ्रंश (एमसीटी) के दायरे में आती है तथा केदारनाथ धाम, जो स्वयं एक मलबे पर स्थित है, वहाँ भारी निर्माण की सख्त मनाही कर रखी है। वहाँ फिर भी सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के नाम पर बहुत भारी निर्माण कर दिया गया। यही नहीं सन 2013 में चोराबाड़ी ग्लेशियर पर बादल फटने और ग्लेशियर झील के टूटने के कारणों की अनदेखी की गयी। दरअसल, योजनाकार ही नहीं बल्कि आपदा प्रबन्धक भी जलतंत्र की अनदेखी करने की भूल कर रहे हैं। हिमालय पर ऊपर चढ़ते समय बादल स्थाई हिमाच्छादित क्षेत्र में बारिश की जगह बर्फ बरसाते हैं लेकिन 2013 में ऐसा नहीं हुआ जो कि जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत था। केदार घाटी बहुत तंग है और उसके अन्त में 3,583 मीटर ऊँचा केदार पर्वत या केदार डोम है। जिसे अलकनन्दा घाटी की ओर से चले बादल पार नहीं कर पाते हैं, इसलिए वहीं बरस जाते हैं। तंग घाटी होने के कारण बादलों का वेग अधिक होता है जिससे पहाड़ से टकराकर बादल फटने जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। इसीलिये इस घाटी में निरन्तर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं।एक स्वैच्छिक संगठन की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट ने 2018 में केदारनाथ की बेहद सीमित धारण क्षमता को अनुभव करते हुए वहाँ प्रतिदिन 5000 से कम यात्रियों के जाने की सीमा तय की थी। लेकिन सरकार पर यात्रियों से ज्यादा हितधारकों और राजनीतिक दबावों के चलते इस साल सीमा को बढ़ाकर बदरीनाथ के लिये प्रतिदिन 20 हजार, केदारनाथ 18 हजार, गंगोत्री 11 हजार और यमुनोत्री के लिये 9 हजार यात्री कर दिया गया। इससे भी दबाव कम नहीं हुआ तो सरकार ने जून में सारी सीमाएं हटा दी। केदारनाथ धाम के ऊपर मौजूद सुमेरू पर्वत से 30 जून 2024 को हिमस्खलन हुआ। पिछले साल भी हुआ था, उसके पिछले साल भी। हर साल ही होता है. लेकिन क्यों? गौर करने वाली बात यह है कि पहले बदरीनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या केदारनाथ से बहुत अधिक रहती थी। बदरीनाथ के लिये सीधे वाहनों से जाया जाता है जबकि केदारनाथ के लिये लगभग 21 किमी की कठिन पैदल यात्रा भी है। लेकिन अब केदारनाथ में बदरीनाथ से अधिक भीड़ जा रही है। उत्तराखण्ड राज्य गठन से पूर्व पूरे सीजन में केदारनाथ के यात्रियों की

शेष पृष्ठ 3 पर

अजब-गजब : प्रवेश के लिये हो-हल्ला मचा है

हल्द्वानी। प्रदेश के डिग्री कालेजों में समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्रवेश की बेहतर व्यवस्था को लागू किया गया लेकिन प्रवेश के लिये हो रहे भटकाव से स्थिति ठीक नहीं है। हाल अजब-गजब बने हुए हैं। प्रवेश के लिये विद्यार्थी चिल्ला रहे हैं और प्रवेश व्यवस्था साफ-साफ नहीं बोल रही है। असल में समर्थ पोर्टल में नियत तिथि तक प्रवेश हो जाने थे और जिन छात्र-छात्राओं ने अपनी फीस जमा कर दी वह प्रवेशार्थी माने जाएंगे। बार-बार अफवाह उड़ रही है कि सीट बढ़ेंगी, पोर्टल खुलेगा। इसके अलावा लापरवाह छात्र छात्राएं या मैरिट लिस्ट में न आने वालों को लेकर छात्र नेता अपनी नेतागिरी करने लगते हैं। इस पूरे मामले में शासन-प्रशासन को कड़े कदम उठाने चाहिये। प्रवेश कितने दिन में हो इसकी समय अवधि तय रहे ताकि शिक्षण कार्य पटरी पर आ सके।

कहने को तो शिक्षा मंत्री ने प्रवेश, चुनाव, परीक्षा का चार्ट बनवा दिया है और सख्ती भी करवाई लेकिन हर बार हड़ताल प्रदर्शन और छात्र नेताओं के दबदबा, इन्हें संरक्षण देने वालों के कारण उच्चशिक्षा को पटरी पर लाना कठिन हो चुका है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

नैनीताल पर भार डाला तो भयावह होगा

सरोवर नगरी को भार वहन करने की क्षमता समाप्त हो चुकी है। यदि और अधिक भार डालने की कोशिश की हुई तो भविष्य में स्थितियां भयावह होंगी। इस प्रकार की चेतावनी और चर्चा नैनीताल के पुराने वाशिन्दे करते करते रहे हैं लेकिन अब भू-वैज्ञानिक भाष्कर दत्त पाटनी ने शहर के सर्वे के बाद एक बार फिर से यही बात दोहराई है तो 'नैनीताल पर भार' के बारे में गम्भीर हो जाना चाहिये।

जियो टैग सलाहकार व भू-वैज्ञानिक भाष्कर दत्त पाटनी ने लोनिवि के अधिकारियों के साथ टिफिन टॉप और चार्टन लॉज पर सर्वे किया। भू-वैज्ञानिक जल्द ही चायनापिक सर्वे भी करने जा रहे हैं। श्री पाटनी ने चेताया है कि इन क्षेत्रों में सुरक्षात्मक कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने सर्वे के बाद बताया कि नैनीताल की पहाड़ियां बेहद सम्वेदनशील हैं जिनकी भार वाहक क्षमता पूरी हो चुकी है। ऐसे में शहर में बनने वाली हर बहुमंजिली इमारत खतरे को बुलावा है। वह कहते हैं कि भूस्खलन के कारण नैनीताल शहर की नींव कमजोर हो रही है जिसका स्थायी उपचार करने के साथ ही ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त किया जाना जरूरी है। ताकि नगर में हो रहे भूस्खलन के खतरे को कम किया जा सके।

वैज्ञानिकों का कहना अपनी जगह है, एक सामान्य नियम भी है कि यदि जरूरत से ज्यादा ठूंसोगे तो किसी प्रकार की गुंजाइश नहीं होगी। झील की खूबसूरती के साथ गिने चुके लोगों का पुराना नैनीताल पर्यटकों के लिये ऐसा आकर्षण बना कि सारी भीड़ यहाँ आने लगी। साथ ही नैनीताल का लोभ करते कई ऐसे लोग अपना जमजमाव कर बैठे जिन्हें रोकने-टोकने की किसी को हिम्मत नहीं रही। कंक्रीट का ढेर लगता गया और भार बढ़ता गया। नैनीताल में रहना मायने 'बड़े आदमी' जैसा लगने लगा। इन्हीं सब बातों का परिणाम है कि खूबसूरत नैनीताल में बरसात में आफत दिखाई दी। इसे बचाने के लिये अब किसी भी तरह की छूट नहीं दी जानी चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

भारत हमारा करीबी : मुइज्जू

माले। मालद्वीप के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि भारत हमेशा से एक करीबी सहयोगी और बहुमूल्य साझेदार रहा है तथा उनके देश को जब भी उसकी जरूरत पड़ी तब नई दिल्ली ने हर तरह की सहायता प्रदान की है। उन्होंने मालदीव में 28 द्वीप क्षेत्रों में जलापूर्ति व सीवर सुविधाएं शुरू किये जाने को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित समारोह में यह बातें कहीं।

भारत-नेपाल में उपग्रह प्रक्षेपण को लेकर करार

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय और इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इण्डिया लिमिटेड ने नेपाल निर्मित मुनाल उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए सहायता देने के लिये एक समझौते पर हस्ताक्षर किये। कहा मूनाल नेपाल में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी के तत्वावधान में विकसित एक स्वदेशी उपग्रह है।

सीमा पर बाड़ेबंदी, रात में निगरानी बढ़ाई

शिलांग। बांग्लादेश में शेख हरीसा के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और उनके देश छोड़ने के बाद फैली अशान्ति से मेघालय में अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से कुछ मीटर दूरी पर बसे एक गाँव के लोग सीमा पार से घुसपैठ की आशंका को लेकर चिन्तित हैं। ऐसे में सीमा पर बाड़ेबन्दी करते हुए रात्रि निगरानी बढ़ा दी गई है।

टिप पर करों को खत्म करेंगी हैरिस

लास वेगास। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने जनता से वादा किया है कि वह रेस्तरां कर्मचारियों और अन्य सेवा कर्मचारियों को दिए जाने वाले टिप पर लागू करों को समाप्त करने की दिशा में काम करेंगी।

ओली ने प्रधानमंत्री को दिया निमंत्रण

काठमाण्डू। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली ने अपने भारतीय समकक्ष नरेन्द्र मोदी को नेपाल की आधिकारिक यात्रा के लिये आमंत्रित किया है। ओली ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री के माध्यम से यह निमन्त्रण दिया, जिन्होंने सिंह दरबार में उनसे मुलाकात की।

युनूस की मुलाकात और सुरक्षा का भरोसा

ढाका। बांग्लादेश की अन्तरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने परेशान हिन्दू समुदाय के सदस्यों से प्रसिद्ध ढाकेश्वरी मन्दिर में मुलाकात कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। कहा उनकी सरकार के बारे में कोई धारणा बनाने पहले धैर्य रखें। प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार सुनिश्चित किये जाने चाहिये।

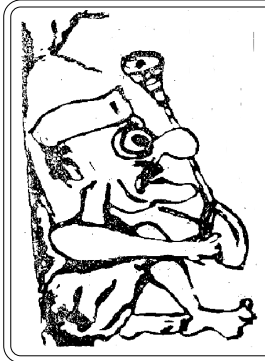

फसक

दाज्यू, मौज लेने वालों के लिये रास्ता आसान ठैरा

छलक-बलक करने वाले पहाड़ को बर्बाद कर रहे हैं बल

दाज्यू, प्रदेश में उच्चशिक्षा विभाग में 50 वर्ष से अधिक उम्र के प्राध्यापकों व अन्य कर्मचारियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की तैयारी है बल। अपर सचिव के पत्र के बाद हलचल होने लगी तो बुतका कह रहे थे- 'कुछ नहीं होगा। कोलेजों को रौंदने वाले सुखिया बने हैं और जानकार सड़क पर बेगार घूमकर दुखिया हो चुके हैं।' दाज्यू, बुतका की बात को परखने के लिये हमने पटरी पार वाले कालेज में डेरा डाल दिया तब पता चला कि मैडम रिमझिम ने शहद की तरह मीठा घोल रखा है और जब्बू मास्टर कालिया नाग बनकर फन फैला चुका है। हम डर के मारे कालेज से भाग गये। दाज्यू, छलक-बलक करने वाले पहाड़ को बर्बाद कर रहे हैं बल। युवा नेता गोपी और गोधन चारों ओर ऐश्वर्या, आलिया, श्रेया कपूर नजर आ रहे हैं। हमने दोनों को गुस्से में फटकारते हुए कहा- 'महेश भट्ट बनने की कोशिश मत करो। फिल्म बनाना बड़े लोगों का काम है।'

दाज्यू, अपर सचिव पत्र लिखें चाहें कोई और लिखे। मौज लेने वालों के लिए रास्ता आसान ठैरा। रगड़घूस कर शहद मिलाने वालों को पकड़ना बहुत कठिन होता है बल। इनकी वाणी बहुत सयाणी लगने वाली ठैरी। सुर्ती मलकर पूरी नौकरी कर चुके लग्गन यादव ने रुद्रपुर, बरेली, देहरादून और बदांयू में मकान बना लिये हैं। अब भोजीपुरा में ढाबा खोलने की तैयारी कर रहा है।

विधायक प्रदीप वत्रा की बहन और जीजा कपूर ने उन पर सम्पत्ति हड़पने का आरोप लगा दिया बल। दाज्यू, रामनगर के होटल में पत्रकार वार्ता में दीदी-जीजा ने विधायक पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर सम्पत्ति हड़पने की बात कही। भगवान जाने क्या हो रहा है दुनिया को। हमारा ध्यान बांग्लादेश से ज्यादा अपने आस-पास ही है। न जाने कौन किसकी उलट-पुलट करने लगे। बहुचर्चित अंकिता भण्डारी हत्याकाण्ड के मुख्य आरोपी पुलकित आर्य पर चमोली में मारपीट का मामला दर्ज हो गया है। जेल में नियमानुसार सभी कैदियों की तलाशी ली जा रही थी। इस दौरान पुलकित फुलकित हो गया बल। उसने कोतवाली निरीक्षक और जेल स्टाफ से मारपीट की और मारने की धमकी दी। दाज्यू, ऐसी चलक-बलक? पुलकित को कोटद्वार पेशी पर के बाद पुरसाड़ी कारागार लाया जा रहा था। घटना के बाद उसे अल्मोड़ा जेल शिफ्ट किया गया है।

मौज लेने के लिये कई बहाने होने वाले ठैरे। नानकमत्ता नगर निवासी अन्नू पुत्री स्व. त्रिलोक सिंह दुरना ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गुरचरन सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह तथा हाल निवासी वार्ड नम्बर 3 नानकमत्ता ने मेरे भाई राजन दुरना को कनाड़ा भेजने तथा वहाँ वर्क वीजा से नौकरी दिलाने का झांसा देकर 17 लाख ठग लिये। काशीपुर में ऐसा ही हुआ है बल। परमानन्दपुर निवासी अकबर अली पुत्र असगर अली ने बताया कि ग्राम रघुवाला सन्यासियों वाला ठाकुरद्वारा निवासी मो. अली ने मेरे दो पुत्रों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 2.40 लाख की ठगी कर ली। दाज्यू, हम पहले से कह रहे हैं कि मौज के बहुत बहाने ठैरे लेकिन मानने वाले मान नहीं रहे तो क्या हो। कराते रहो रपट, लगे रहो झपट।

देहरादून में एसटीएफ ने एक और फर्जी कॉल सेन्टर का भण्डाफोड़ किया है। यहाँ अमेरिका और कनाडा के नागरिकों से धोखाधड़ी कर रकम ऐंठी जाती थी बल। पोर्न साइड का डर दिखाकर उन्हें झांसे में लिया जाता था। कैंट क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट के वॉशरूम में महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाने का मामला भी हुआ है। रेस्टोरेंट का कर्मचारी ही वीडियो बनाने का काम कर रहा था बल। दाज्यू, उधर खटीमा में रिश्ते के जीजा ने साले को पेट्रोल पम्प लगवाने के नाम पर 12 लाख का चूना लगा दिया।

दाज्यू, चम्पावत में तो डीएम की फर्जी आईडी बनाकर दूसरी बार पैसे मांगने का अपराध किया गया। डीएम पाण्डे ज्यू भले आदमी हैं। क्या करें? साइबर सैल में मामला दर्ज करवा दिया। मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र ठैरा, हर समय दम-दम-भम-भम होती है बल। दाज्यू, पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर वड्डा कस्बे में शराब की दुकान से पेटियां गायब हो गईं बल। गजब ही हो रहा है कहा। मौज का रास्ता तलाशने वालों के लिये क्या कहें? धर्मनगरी हरिद्वार में सिडकुल क्षेत्र सेक्टर 2 में एक होटल के पास सड़क किनारे अश्लील हरकत कर रही तीन महिलाओं को पुलिस ने पकड़ा है।

दाज्यू, लोहाघाट के बाराकोट ब्लाक में गल्ला गाँव में अराजक तत्वों ने वाहनों की फोड़ाफोड़ कर दी बल। सड़क किराने खड़ी की गई अल्टो, बाइकों का तेल चोरी भी किया गया। दाज्यू, नैनीताल में युवतियों का सिगरेट पीते वीडियो बनाने वाले युवक का चालान हो गया। मल्लीताल निवासी बालक ने अपनी दो बालिका दोस्तों का वीडियो बनाया था जिसकी भनक बालिकाओं के घर में लग गई। उन्होंने युवक पर उनकी बेटियों को बिगाड़ने का आरोप लगाते हुए पुलिस में बात की। दाज्यू, आप जानने ही वाले ठैरे कब किसकी घांण आ जाए।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

नैनीताल में भी चौराहों के चौड़ीकरण के लिये तोड़फोड़

पुलिस चौकी सहित पुराने भवन हटाकर सबकुछ नया होना है

नैनीताल/हल्द्वानी। हल्द्वानी में शड़क चौड़ी करने के लिये दनादन पेड़ शिफ्टिंग, कटिंग की बड़ी कार्यवाही के अलावा तोड़फोड़ जारी है। इसके लिये बार-बार यातायात व्यवस्था में बदलाव करना पड़ रहा है।

सरोवर नगरी नैनीताल में भी बदलाव के लिये तेज-तर्रारी दिख रही है। नगर के सात चौराहों के चौड़ीकरण का कार्य जारी है। लोनिवि के सहायक अभियन्ता की उपस्थिति में रोडवेज के दोमंजिला भवन का ध्वस्तीकरण किया गया। जेसीबी से भवन के बाहर लगी लोहे ही रेलिंग तोड़ी गई। चौराहों के चौड़ीकरण के तहत तल्लीताल डांठ में पुलिस चौकी समेत कई निर्माण पूर्व में हटाए जा चुके हैं। तल्लीताल डांट में पुराने डाकघर को भी तोड़ने का प्रस्ताव है। इसके लिये शहर के प्रबुद्धि जनों ने ज्ञापन सौंपते हुए ब्रटिशकालीन इस धरोहर को बचाने की अपील भी की है।

सरोवर नगरी में बढ़ते दबाव और यातायात में दिक्कत व जाम को देखते हुए जिस प्रकार से सौन्दीकरण की नई कहानी लिखी जानी है वह सुनने में अच्छी लग रही है लेकिन इसमें कई पुरानी यादों के निर्माण हट जाएंगे और सबकुछ नया होगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

समाजसेवी

शकुन्तला दताल का जुनून ही सम्मान

पि.हि.प्रतिनिधि

जौललीवी निवासी शकुन्तला दताल इस बार तीलू रौतेली पुरस्कार पाकर बेहद खुश हैं। असल में इस समाजसेवी का जुनून ही उनका सम्मान है। समाज में हमेशा कुछ न कुछ कार्य करते रहने की उनकी जिद से वह लोकप्रिय नेता भी हैं।

पिघलता हिमालय को शकुन्तला दताल ने बताया कि सन् 1979 में बाल विकास परियोजना धारचूला में आगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में उनकी नियुक्ति हुई तभी से उन्हें अपने समाज में गाँव, घर घर जाने का मौका मिला। वह कहती हैं- गाँव में काफी सामाजिक कुरीतियां, बुराईयां देखने को मिली, उसी दिन से मैंने ठान लिया कि मैं अपने गाँव पड़ोस में बदलाव लाने की कोशिश करूँगी। सबसे पहले गाँव में महिला मंगल दल का गठन कर उन्हें जागरूक करने का काम किया। महिलाओं को आत्मबचत, पौधा रोपण, साक्षरता, बेटियों को बढ़ाने तथा टीकाकरण, परिवार नियोजन हेतु प्रेरित किया। गाँव-गाँव घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं से बंचित लोगों को वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन आदि तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से

जरूरतमंदों को आर्थिक मदद पहुँचाने का कार्य किया व अपने संसाधनों से भी आर्थिक मदद की गयी। साथ ही नशाबन्दी हेतु गाँव-गाँव जाकर लोगों को जागरूक किया तथा गाँव से सरकारी भट्टी बन्द कराने के लिये आन्दोलन भी करवाया।

चीन से जुड़े अन्तिम गाँव को सड़क से जोड़ने के लिये आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर भाग लिया, जिस कार्य के लिये मुझे राज्य स्तरीय पुरस्कार भी मिला। कोरोना काल में चार परिवारों को तीन माह तक बिना किराये के स्वयं के मकान में रहने दिया और राशन-पानी का प्रबन्ध किया गया। दूरस्थ गाँव में राशन बाँटकर सहयोग प्रदान किया गया एवं कोरोना काल में कार्य करने वाले सफाई कर्मियों को स्वयं के खर्चे से सेनेटाईजर, कम्बल, राशन प्रदान किया। मुख्यमंत्री राहत कोष में पचास हजार रुपये का अंशदान प्रदान किया। अपने संसाधनों से लोगों को आर्थिक मदद की गई।

वर्ष 2004-05 में उत्कृष्ट सेवाओं के लिये इन्हें राज्य स्तरीय आगनबाड़ी कार्यकर्ती पुरस्कार मिल चुका है। इन्होंने सीमान्त क्षेत्र में विकास कार्यों हेतु अस्कोट मृग विहार की सीमा घटाने हेतु चले जन आन्दोलन में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई। पूर्व में क्षेत्र पंचायत सदस्य बौन, अध्यक्ष अभिभावक संघ राजकीय इण्टर कालेज जौलजीवी, उपाध्यक्ष रं कल्याण संस्था धारचूला, सदस्य टीएसपी पिथौरागढ़, प्रदेश अध्यक्ष आगनबाड़ी संघ, उपाध्यक्ष सीमान्त क्षेत्र विकास उत्तराखण्ड के रूप में कार्य किया है। वर्तमान समय में संरक्षक व्यापार मण्डल जौलजीवी के रूप में कार्यरत हैं। 72 वर्षीय शकुन्तला जी के इन्हीं सब जुनून को देखते हुए सरकार ने उन्हें तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित किया है।

केदारनाथ आपदा....

प्रथम पृष्ठ का शेष

संख्या औसतन 1 लाख तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 9 लाख तक होती थी। पिछले साल केदारनाथ में 19,61,277 तक तीर्थयात्री पहुँच चुके थे।

यात्रियों का यह सैलाब है जो कि केदारनाथ की धारण क्षमता से अत्यधिक होने से आपदा का एक कारण बन रहा है। 31 जुलाई को करीब 7:30 बजे केदारनाथ में तेज बारिश के बाद भूस्खलन और कटाव हुआ था। आपदा प्रबन्धन और पुनर्वास सचिव के मुताबिक 2 अगस्त तक कुल 7,234 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया। 3 अगस्त को 1,865 यात्री रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाये गये। 3 अगस्त तक कुल 9,099 यात्रियों को रेस्क्यू किया जा चुका था। फिर रविवार को प्रशासन के मुताबिक करीब 1000 यात्रियों को रेस्क्यू किया जाना था। 1 अगस्त को रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के एक्स हैंडल पर करीब 200-300 लोगों के धाम के आसपास होने की जानकारी साझा की थी। 2 अगस्त की शाम तक ये आंकड़ा 7000 पार कर गया। 31 जुलाई के आसपास केदारनाथ में ठीक-ठीक कितने तीर्थयात्री मौजूद थे। क्या सरकार के पास ये आंकड़े हैं? राज्य सरकार ने इस वर्ष चारों धाम में रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की थी। रजिस्ट्रेशन के बाद ही यात्र की अनुमति थी। क्या ये व्यवस्था काम कर रही थी? लापता लोगों की सूचना को स्थानीय प्रशासन भ्रम फैलाने वाली खबरें बता रहा है। क्या मृतकों की भी सही-सही संख्या पता है? रोहित गोस्वामी आश्चर्य जताते हैं कि इस वर्ष रुद्रप्रयाग प्रशासन ने रात के समय भी यात्रा जारी रखी। जबकि पहले शाम 3-4 बजे तक केदारनाथ धाम से नीचे या गौरीकुण्ड से ऊपर यात्रियों को रोक दिया जाता था। मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह हालात पर नजर रख रहे हैं। गढ़वाल सांसद ने भी क्षेत्र का हवाई निरीक्षण किया। वायुसेना का एक चिनूक और एक एमआई-17 हेलिकाप्टर रेस्क्यू अभियान के लिए उपलब्ध कराया गया। ताकि फंसे हुए लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा सके। इसके साथ ही 5 अन्य हेलिकाप्टर भी रेस्क्यू में जुटे हैं। हालांकि खराब मौसम के चलते हवाई उड़ान में बाधा आ रही है। रेस्क्यू अभियान भी प्रभावित हो रहा है। एनडीआरएफ के 83 जवान, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और पीआरडी के 168 जवान, पुलिस विभाग के 126, अग्निशमन के 35 कर्मचारी अलग-अलग स्थानों पर रेस्क्यू के लिए तैनात हैं। 35 आपदा मित्र भी सहयोग दे रहे हैं।

31 जुलाई की भारी बारिश से राज्यभर में 15 मौतों की आधिकारिक सूचना है। इसमें से 3 रुद्रप्रयाग जिले के हैं। रेस्क्यू अभियान के दौरान की एक तस्वीर स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स यानी एसडीआरएफ ने जारी की थी। जिसमें भारी चट्टानों के नीचे फंसे हुए एक व्यक्ति को सुरक्षित निकाला गया। ये तस्वीर मृतकों और लापता लोगों से जुड़ी आशंकाएं बढ़ाती है। 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी हाईपावर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में हर एक धाम की आपात स्थिति में बाहर निकालने की योजना बनाने के लिए कहा था। इस कमेटी के अध्यक्ष रहे डा. रवि चौपड़ा कहते हैं, 'धाम में मन्दिर तक पहुँचने के लिए हम जैसे-जैसे ऊपर जाते हैं, रास्ते संकीर्ण होते जाते हैं। हर धाम की एक आपात निकासी योजना होनी चाहिए। राज्य सरकार और प्रशासन पूरी तरह लापरवाह है। रजिस्ट्रेशन की बात कही गई। लेकिन कोई ये चैक नहीं करता कि ये सिस्टम काम कर रहा है या नहीं। जब तक इच्छाशक्ति नहीं होगी कुछ नहीं बदलने वाला। कितनी रिपोर्ट्स चाहिए इन्हें।' जलवायु परिवर्तन के चलते पहाड़ों में भारी बारिश और इसकी बढ़ती तीव्रता को देखते हुए डा. चोपड़ा सुझाव देते हैं 'भारी बारि ा का अलर्ट आने पर जिलाधिकारी जिस तरह स्कूल बन्द करते हैं, उसी तरह यात्रा क्यों नहीं रोकी जाती। भविष्य में, मौसमी बदलाव को देखते हुए, यात्रा सीजन में बदलाव करना पड़ेगा।' जुलाई-अगस्त के महीने बारिश और भूस्खलन के लिहाज से बेहद सम्वेदनशील होते हैं। भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद जिला प्रशासन स्कूल बन्द करा देते हैं लेकिन यात्रा को नहीं रोका जाता यही नहीं, बहुत सम्वेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र वाले इन धामों में वाहनों की बाढ़ लगातार बढ़ती जा रही है। अति सम्वेदनशील गोमुख में भी इस साल अब तक 6,309 यात्री पहुँच गये जिनमें ज्यादातर कांवड़िये ही थे। प्रकृति के साथ अगर ऐसा ही खिलवाड़ होता रहेगा तो मानवीय संकट को टाला नहीं जा सकेगा। बेशक आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकास की अत्यन्त आवश्यकता है लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि हम प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दें कि अपने ही नागरिकों को जान के लाले पड़ जायें। इन आपदाओं के लिए हर बार वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सुझावों और चेतावनियों की अनदेखी को जिम्मेदार माना जा सकता है।

ज्योतिष की बातें- 192

26 अगस्त 2024 को मंगल समराशि से निकलकर शत्रुराशि मिथुन में प्रवेश करेगा अत: मंगल निर्बल रहेगा। फलदीपिका के अनुसार मंगल त्रिषडाय भावों अर्थात् तीसरे, छठवें और ग्यारहवें स्थान पर शुभ होता है, साथ ही मंगल कर्क और सिंह राशियों के लिए योगकारक भी होता है अत: अगले 55 दिन मंगल धैर्य, स्वास्थ्य, धनलाभ, पराक्रम, विरोधियों पर विजय, कार्यों में सफलता, भूमि-भवन-वाहन का लाभ आदि के रूप में मेष, मकर, लसह व कर्क राशि के जातकों के लिये शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशि के जातकों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

27 अगस्त 2024 को बुध कर्क राशि में पूर्व दिशा में उदय हो जाएगा साथ ही 29 अगस्त 2024 को मार्गी भी हो जाएगा अत: बुध से प्राप्त होने वाले शुभफल अब स्पष्ट रूप से प्राप्त होंगे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी- यह पर्व भाद्रपद कृष्णपक्ष की अर्धरात्रि चन्द्रोदय व्यापिनी अष्टमी तिथि में मनाया जाता है। तदनुसार सोमवार, 26 अगस्त 2024 को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा । इस वर्ष जन्माष्टमी के दिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग होने से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की श्रीकृष्ण जयन्ती संज्ञा होगी । जन्माष्टमी को रोहिणी का संयोग होने से इस पर्व का पुण्य अधिक बढ़ जाता है ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 83

शिक्षक का विशेष महत्व

प्राथमिक विद्यालय का अध्यापक हो अथवा महाविद्यालय का प्रोफेसर, सभी शिक्षकों का समाज में एक विशेष महत्व होता है। लेकिन आजकल शिक्षकों को जनगणना से लेकर पशुगणना करने तक, मतदान करवाने से लेकर मतपत्र बनवाने तक विभिन्न प्रकार के कार्य करने होते हैं। बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाना, आयरन कैल्शियम की गोलियां खिलाना, उनके स्कालरशिप के फार्म भरना, फ्री योजनाओं के लिए बच्चों के आधार कार्ड तैयार करवाना, बच्चों के नाम से बैंक में खाता खुलवाना, दोपहर का भोजन बच्चों को खिलाना और बच्चों के सुरक्षित घर तक पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करना। इतना सब करने के बाद भी बच्चों को मारना, पीटना, डांटना तो कभी भी नहीं, परीक्षा में कभी भी फेल नहीं करना।

इतने सारे विभिन्न कार्य करवाने के बाद भी शिक्षकों पर विभिन्न प्रकार के बन्धन लगाए जाते हैं। समय पर आना, समय पर जाना, दोनों समय उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर करना, बायोमेट्रिक में अंगूठा लगाना। इसके बाद भी बच्चों के अभिभावकों से शिक्षकों के बारे में प्रतिक्रिया ली जाती है और अब तो छात्रों से भी शिक्षकों के बारे में फीडबैक लिया जाने लगा है। इस प्रकार से शिक्षकों का घोर अपमान होता है। कोई भी छात्र यहाँ तक कि अभिभावक भी शिक्षक के कार्यों का मूल्यांकन सिद्धान्ततः नहीं कर सकता, शिक्षकों का मूल्यांकन उसके उच्च अधिकारी, प्रधानाचार्य आदि ही कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के कार्यों और बन्धनों के कारण एक शिक्षक आजकल घुटन महसूस करता है। पढ़ाने का समय न मिलने पर भी पढ़ाने का पूरा रिकार्ड तैयार रखना पड़ते हैं।

शिक्षकों पर कोई भी अशैक्षिक कार्य लिया जाना सर्वथा अनुचित है और उनका सम्मान बनाए रखने के लिए शिक्षकों पर किसी भी प्रकार का बन्धन लगाना अनुचित है। जिस देश में शिक्षक का सम्मान नहीं है वह देश खुशहाल और संस्कारयुक्त नहीं हो सकता।

-सरल

देवीधुरा में बग्वाल कौतिक और चामी चौमेल में आषाढ़ी उत्सव

चम्पावत। माँ वाराही धाम देवीधुरा में बग्वाल मेले का शुभारम्भ सांसद अजय टम्टा ने किया। केन्द्रीय राज्यमंत्री ने अपनी घोषाओं के साथ ही सभी को बधाई दी। देवीधुरा कौतिक के नाम से प्रसिद्ध बग्वाल को देखने के लिये बड़ी संख्या में लोग पहुँचे थे। परम्परागत रूप से बग्वाल खेलने के लिये वीर योद्धाओं ने मैदान में एक-दूसरे पर फूल-फल-पाथर बरसाये। चार खाम, सात थोक के ग्रामीण दो समूह में एक-दूसरे पर पहले से पत्थरों की बरसात करते थे, 2014 के बाद से फल-फूलों का उपयोग होने लगा है। कौतिक में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही मन्दिर समिति के लोगों ने सबका आभार व्यक्त किया।

दूसरी ओर बाराकोट ब्लाक के चामी चौमेल में 5 दिवसीय आषाढ़ी उत्सव की धूम मची। विधायक प्रतिनिधि चाँद बोरा एवं हरदेव जोशी ने इसका शुभारम्भ किया और विधायक खुशहाल अधिकारी की ओर से मन्दिर सुन्दीकरण के लिये 5 लाख रुपये देने की घोषणा की। कलश यात्रा के साथ शुरु उत्सव में गाँव के देवीथान मन्दिर में पुरोहित मोहन चन्द्र जोशी ने पूजापाठ करवाया। आयोजन के दौरान खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किये गये।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

डीडीहाट नन्दा महोत्सव की तैयारी

डीडीहाट। 11 से 15 सितम्बर तक होने वाले नन्दा महोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। आयोजन को लेकर मेला कमेटी के अध्यक्ष डी.एस.पांगती की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार का आयोजन लोक गायक स्व.प्रहलाद मेहरा को समर्पित होगा। प्रतियोगिताओं के साथ ही लोक कला को समर्पित लोगों को सम्मानित किया जायेगा।

पातालभुवनेश्वर में आक्सीजन प्लांट

गंगोलीहाट। पातालभुवनेश्वर गुफा में यात्रियों को सांस लेने मेंकिसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े उसके लिये आक्सीजन प्लान्ट लगेगा। जिलाधिकारी रीना जोशी ने इस सम्बन्ध में लोनिवि को कार्रवाई के आदेश दिये हैं। डीएम ने गुफा की सुरक्षा एवं सुरक्षात्मक कार्यों को लेकर मन्दिर के पुजारी, समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक भी की।

बाराकोट में खुलेगा रेशम फार्म

चम्पावत। जिले में रेशम के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये जिले का पहला रेशम फार्म बाराकोट के कैड़ाओड़ में खोला जायेगा। इसके लिये विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। बताया गया है कि दस लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण भी होना है। इसकी खेती के लिये 11 ग्राम सभाओं में 250 किसान पंजीकृत हो चुके हैं।

बलुवाकोट में शिक्षकों की मांग को अनशन

धारचूला। अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज बलुवाकोट में शिक्षकों की कमी दूर करने की मांग को लेकर क्रमिक अनशन जारी है। अंग्रेजी, गणित, राजनीति विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान में प्रवक्ताओं के न होने से विद्यार्थी मजबूर हैं। अभिभावकों ने शीघ्र रिक्त पदों को भरने को लेकर उग्र आन्दोलन की चेतावनी दी है।

गंगोलीहाट में उच्च शिक्षा मंत्री के नारे

गंगोलीहाट। महाविद्यालय में बीएससी, एम.कॉम पाठ्यक्रम संचालन की मांग को लेकर उच्चशिक्षा मंत्री का पुतला फूंकते हुए नारे लगाये गये। एबीवीपी के नगर मंत्री गौरव बोरा के नेतृत्व में प्रदर्शन कारियों ने कहा कि बगैर रास्ते के नये भवन में कालेज को कैसे सुविधा सम्पन्न माना जाए।

भूमिधरी अधिकारों के लिये आन्दोलन

बाजपुर। सरकार द्वारा बीस गाँव की 5838 एकड़ भूमि के भूमिधरी अधिकारों को लेकर एक साल से तहसील परिसर में चल रहे भूमि बचाओ सत्याग्रह आन्दोलन के बाद भी अधिकार बहाल न होने से नाराज लोगों ने अखण्ड पाठ का नये सिरे से आन्दोलन शुरू कर दिया है।

हल्द्वानी में रेलवे ने एक बार फिर अपनी भूमि के लिये सर्वे किया

हल्द्वानी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार रेलवे ने एक बार फिर अपने मालिकाना हक की भूमि के लिये सर्वे किया। इस सर्वे से रेलवे की भूमि की सीमा निर्धारित होगी। फिर इस सीमा के आधार पर अतिक्रमण चिन्हित होगा और आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

बताते चलें कि हल्द्वानी रेलवे स्टेशन से लगी लगभग 30 हेक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण है। हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में अतिक्रमण हटाने के आदेश दिये थे, विरोध में शीर्ष अदालत गये लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए स्टे दे दिया। अब सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए रेलवे से विस्तारीकरण के लिये जरूरी भूमि का रकबा और अतिक्रमण के दायरे में आ रहे लोगों के विस्थापन को लेकर जवाब मांगा था। ऐसे में रेलवे, राजस्व, प्रशासन, नगर निगम और वन विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने हल्द्वानी रेलवे स्टेशन की भूमि का सर्वे किया। राजपुरा से लेकर इन्दिरानगर तक हुए सर्वे के बाद माना जा रहा है इनके विस्थापन की तैयारी है।

गैरवैशाली में जलभराव रोकने को योजना

हल्द्वानी। बिठौरिया नम्बर एक के गैरवैशाली क्षेत्र में जलभराव से छुटकारा दिलाने के लिये अब नए सिरे से कार्य योजना तैयारी होगी।

तहसील परिसर में सिटी मजिस्ट्रेट ए.पी.वाजपेयी की अध्यक्षता में प्रभावितों के साथ हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि बरसाती नाले के पानी को वन चौकी से चौफुला चौराहे तक ओपन ड्रेनेज के जरिए डायवर्ड करने के लिये कार्य किया जायेगा। इसके तहत अधिकतम 5 सितम्बर तक कार्य शुरू कर दिया जायेगा।

सिटी मजिस्ट्रेट ने सम्बन्धित विभाग को क्षेत्र की गूलों की सफाई के साथ ही अतिक्रमण को चिन्हित करने और पानी की निकासी करने के भी निर्देश दिये। इस दौरान गैरवैशाली से पहुँचे देवकीविहार विकास समिति के महासचिव रमेश चन्द्र पाण्डे ने बताया कि लम्बे समय से 15 कालोनियों में जलभराव की समस्या बनी हुई है। इस पर सिटी मजिस्ट्रेट ने अतिक्रमण चिन्हीकरण की समीक्षा करते हुए बिठौरिया क्षेत्र के नक्शे का बारीकी से अवलोकन किया। साथ ही अधिकारियों को हर हाल 5 सितम्बर तक कार्य शुरू कर देने के निर्देश दिये।

नयना मंदिर क्षेत्र का सौन्दर्यीकरण

नैनीताल। नयना देवी मन्दिर क्षेत्र के सौन्दर्यीकरण का कार्य वर्षा ऋतु के बाद होने वाला है। मानसखण्ड मन्दिर माला मिशन के तहत मन्दिर के सौन्दर्यीकरण को लेकर राज्य सरकार ने सात करोड़ रुपये का बजट जारी किया है।

लोनिवि के सहायक अभियन्ता जी.एस.जनोटी ने बताया है कि डीपीआर के तहत मन्दिर के आसपास के क्षेत्र में बदलाव किया जायेगा। मन्दिर के बाहर तिब्बती बाजार की 13 दुकानों को दूसरी जगह शिफ्ट किये जाने की प्रक्रिया चल रही है। मन्दिर परिसर के बाहर बनी दुकानों के स्वामियों से वार्ता हो चुकी है। जल्द ही दूसरे स्थान पर इन दुकानदारों को विस्थापित कर दिय जायेगा। यहाँ भक्तों और पर्यटकों के लिये बेहतरीन फुटपाथ बनेगा। इसके अलावा डबल स्टोरी क्रियाशाला का भी निर्माण किया जाएगा। क्षेत्र के सौन्दर्यीरण के बाद मन्दिर परिसर में अतिरिक्त स्थान बनेगा जिससे धार्मिक गतिविधियों के लिये पर्याप्त जगह मिल पायेगी।

दस सितम्बर से राज्यस्तरीय खेल होंगे

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में चयन के लिए उत्तराखण्ड में दस सितम्बर से राज्य स्तरीय खेल होंगे। इसमें प्रदेश के सात हजार खिलाड़ी अपना भाग्य आजमाएंगे।

उत्तराखण्ड पहली बार अक्टूबर-नवम्बर में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों में मेजबानी करने जा रहा है। इसके लिये खेल विभाग की ओर से तैयारी की जा रही हैं। हालांकि राष्ट्रीय खेलों की तिथि तय नहीं हुई है। उत्तराखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश नेगी ने बताया है कि खिलाड़ियों का चयन स्टेट गेम्स से ही होगा। राष्ट्रीय खेलों में फिलहाल 34 इवेंट प्रस्तावित हैं। बताया कि दस सितम्बर से प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और 25 सितम्बर तक स्टेट गेम्स हो जाएंगे।

राष्ट्रीय खेलों के लिए तैयारी होने का दावा किया जा रहा है और अभी सीएम से भी चर्चा होगी। लेकिन खेल विभाग के सामने यह बड़ी चुनौती है। स्टेट गेम्स के बाद खिलाड़ियों का चयन और कैम्प लगाए जाएंगे। कैम्प 45 दिन के लिये प्रस्तावित हैं। स्टेट गेम्स में चुने खिलाड़ियों को नेशनल गेम्स से पहले फाइनल ट्रायल से गुजरना होगा।

सिन्याड़ी में वाइन फैक्ट्री का प्रस्ताव

चम्पावत। जिले के सिन्याड़ी में आबकारी विभाग से वाइन फैक्ट्री लगाने के लिए प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। गोल्डन फन फूड्स एण्ड ब्रिवरेज लि. कम्पनी ने दिसम्बर में वाइन फैक्ट्री लगाने के लिये प्रस्ताव दिया था। अब एक साल के अन्दर कम्पनी को फैक्ट्री का निर्माण कार्य पूरा करना है। इसके बाद आबकारी निदेशालय से तकनीकी जाँच पूरी होने के बाद उत्पादन शुरू हो जायेगा।

सिन्याड़ी में एक हजार केएल की क्षमता का प्लान्ट लगने वाला है। इससे पहाड़ के फलों से तैयार वाइन बनाई जायेगी। वाइन उत्तराखण्ड के अलावा अन्य राज्यों में भी बेची जायेगी। इसके लिये अंगूर, नाशपाती, सेब के अलावा अन्य के दाम उत्पादकों को मिलेंगे। जिला आबकारी अधिकारी तपन कुमार पाण्डे ने बताया कि सिन्याड़ी में प्रस्ताव पास है। तैयारी के बाद इसमें रेड वाइन व अन्य वाइन बनाई जायेगी।

ऋषिकेश व हल्द्वानी में फूलों की मंडी

देहरादून। प्रदेश में पुष्पोत्पादन की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए ऋषिकेश व हल्द्वानी में फूलों की मण्डी स्थापित की जाएंगी। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने सेतु आयोग और कृषि व उद्यान विभाग की बैठक में शीघ्र ही इसकी कार्ययोजना तैयार करने और मण्डियों व विभागों के मध्य बेहतर समन्वय से काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने सप्लाई चेन को प्रभावी बनने पर भी जोर दिया। मुख्य सचिव ने सेब की अति सघन बागवानी, मिलेट समेत अन्य योजनाओं की नीति में संशोधन के प्रस्ताव तैयार करने के लिए कृषि एवं उद्यान विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने झंगोरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण करने के दृष्टिगत प्रस्ताव भी शीघ्र केन्द्र को भेजने के निर्देश दिये। सचिवालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव को जानकारी दी गई कि राज्य में मिलेट हाईटेक एप्पल नर्सरी, पोस्टर हार्वेस्ट इन्फ्रा, कीवी फार्मिंग, हनी व महक रेवोल्यूशन पालिसी के साथ ही झंगोरा के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण पर काम चल रहा है।

नन्दादेवी महोत्सव के लिये कमेटी गठित

नैनीताल। माँ नन्दा-सुनन्दा महोत्सव के संचालन के लिये 21 सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। श्री राम सेवक सभा के महासचिव जगदीश बवाड़ी ने बताया कि मूर्ति निर्माण के लिये कदली वृक्ष लाने, मूर्ति निर्माण, मण्डप व्यवस्था, आरती, देवी भोग, सुन्दरकाण्ड, प्रसाद वितरण, मन्दिर प्रवेश समिति, प्रसारण, दान पत्र चन्दा, सांस्कृतिक शोभायात्रा, सफाई, डोला विसर्जन आदि कमेटियों का गठन किया गया है।

मझोला में ट्रेनों के ठहराव की मांग

खटीमा। युवा व्यापार मण्डल उ0प्र0 के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कपिल अग्रवाल ने पूर्व केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री और सांसद अजय भट्ट से मिलकर क्षेत्र के प्रमुख मझोला-पकरिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों का स्टापेज न होने से जनता को होने वाली दिक्कतों का उल्लेख करते हुए स्टॉपेज की मांग की। सांसद भट्ट ने भी इस बात का आश्वासन दिया।

परिक्रमा

छात्र संख्या शून्य होने पर आठ स्कूल बंद

डीडीहाट। विकासखण्ड के आठ विद्यालयों में छात्र संख्या शून्य होने पर बन्द करना पड़ रहा है। इसके पीछे पलायन मुख्य कारण है। प्रा.विद्यालय ममस्यारी, खोजा, हुनेर, नाली, विनायक, भूलगांव, फतैडी, डुलगांव, हड़खेला इसमें शामिल हैं। बताया गया है कि इनमें एक भी बच्चे ने प्रवेश नहीं लिया।

किच्छा में अवैध कालोनियों पर डंडा

किच्छा। कृषि भूमि पर अवैध रूप से काटी जा रही कालोनी के खिलाफ प्रशासन ने अभियान चलाया। जेसीबी के माध्यम से कालोनी में किये गए अवैध निर्माण को लगातार ध्वस्त किया जा रहा है। प्रशासन की टीम ने तीन अवैध कालोनियों पर डण्डा करते हुए निर्माण ध्वस्त किए। एसडीएम कौस्तुभ मिश्र ने चेतावनी दी है कि अभियान लगातार रहेगा इसलिये किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न की जाए।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

गातांक से आगे

समाज सेवक नैन सिंह बोनाल का त्याग-२

नरेन्द्र न्यौला पंचाचूली

सामाजिक चिन्तक नैन सिंह बोनाल जी ने जून सन् 1974-1975 में इस पाँच सूत्रीय जन जागृति अभियान में शामिल नवयुवकों-नवयुवतियों एवं विद्यार्थियों के समूह का नेतृत्व करते हुए, दारमा का दूरस्थ गाँव-सिपू से लेकर गाँव-सेला तक के चौदह गाँवों में चौदह दिन कई घण्टे पैदल चलकर घर-घर जाकर इस अभियान को चलाया। इस अभियान के निम्नलिखित उद्देश्य (1) नशाबन्दी, (2) शिक्षा-साक्षरता, (3) वृक्षारोपण, (4) बाल विवाह प्रतिबन्धा, (5) सफाई आन्दोलन (स्वास्थ्य के प्रति स्वच्छता) होने वाले लाभ व नुकसान पर दारमा लुंग्बा के साथ-साथ दिलंग दारमा के क्षेत्रजनों के मन-मस्तिष्क (अन्तरात्मा) तक जन जगृति पैदा कराया जिसका काफी लाभ रं लुंग्बा जनों को हुआ। इस सामाजिक पाँच सूत्रीय जन जागृति अभियान से नशाबन्दी, शिक्षा स्वास्थ्य, बाल विवाह रोकथाम व प्राकृतिक पेड़-पौधों से होने वाले लाभ के प्रति समाज को काफी लाभ हुआ।

सामाजिक चिन्तक- श्रद्धेय नैन सिंह बोनाल ने पुनः 'दारमा यवक संघ' का नेतृत्व कर जनवरी 1977 में जौलजीबी दाँतू खेड़ा से लेकर बलुवाकोट घाटीबगड़, छारछम-नयाबस्ती, कालिका, गोठी एवं निंगालपानी-गलाती तक के ग्रामीणों का जून सन् 1975 में चौदह गाँव चौदह दिन 'पाँच सूत्रीय जन 'जागृत अभियान' कां याद दिलाते हुए पुनः नशाबन्दी, बाल विवाह रोकथाम, कुटिर उद्योग, शिक्षा स्वास्थ्य के प्रति जनचेतना का वृहद अभियान चलाया जिसे सफलताप पूर्वक सम्पन्न किया। उपरोक्त दोनों जन जागृति (जन जागरण) अभियान में बहुत सारे दारमा के नवयुवक-नवयुवती और छात्र-छात्रायें शामिल थे। उनमें से कुछ युवकों के नाम इस प्रकार से है। कल्याण सिंह सोनाल, राम सिंह सोनाल, चन्द सिंह ग्वाल, पुष्कर सिंह सेलाल, फली सिंह दताल, श्री लाल सिंह बोनाल और बिशन सिंह बोनाल। समय-समय पर हुए इस प्रकार से जन चेतना कार्यक्रम के फलस्वरूप ही आज दारमा रं लुंग्बा के अनेक नौजवान शिक्षा प्राप्त कर उच्च पदों पर आसीन होकर दारमा का नाम रोशान कर रहे हैं। सन् 1980 जुलाई-अगस्त कोठी में जबरदस्त भूकम्प आया जिसमें स्थानीय लोगों की बहुत चल-अचल सम्पत्तियों का नुकसान हुआ। उस वक्त भी नैन सिंह बोनाल जी ने निःस्वार्थ धरातली सेवक के रूप मे भूकम्प पीड़ितों को राहत पहुँचाने हेतु लगातार कई महिने तक कर्तव्यनिष्ठ सिपाही के तौर पर शासन-प्रशासन की सहायता कर विशेष योगदान दिया। उस समय के सरकारी अधिकारियों ने उनकी इस सेवा कार्य की खूब प्रशंसा की और इन अधिकारियों और क्षेत्रीय सामाजिक संस्थाओं ने उनके द्वारा क्षेत्र में पूर्व से 1980 अगस्त तक के समाज सेवा, सामाजिक सेवा कार्यों की गणना कर उन्होंने समाज को दिये अपन` महत्वपूर्ण समय की महत्वता को समझते हुए कार्य फल के रूप में श्रद्धेय नैन सिंह जी का नाम राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए नामित करने की बात की। पर दुर्भाग्यवश कुछ षड्यन्त्रकारियों के कारण उनका नाम इस पुरस्कार के लिए नामित नहीं हो पाया। समाज सेवक नैन सिंह जी ने सामाजिक क्षेत्र से लेकर कई सरकारी संस्थानों में काम करते हुए अपनी अन्तर आत्मा के अनुसार सामाजिक दायित्वों को पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा एवं ईमानदारी से निभाया। जिस वजह से स्थानीय समाज उनके नाम को समय-समय पर जरूर स्मरण करते हैं। यही उनके लिए सर्वोपरि पुरस्कार के समान है। समाज सेवक नैन सिंह बोनाल ने सच्चे समाज सेवक के रूप में दारमा क्षेत्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित समाज कल्णण विभाग से जनमानस को लाभ पहुँचाने के लिए बहुत से कार्य किये। नैन सिंह बोनाल जी ने सामाजिक हित के लिए परस्पर विरोध की राजनीति के बिना (किसी भी पक्ष-विपक्ष के बहकावे में आए बिना) अपने विवेक से जनमानस क्षेत्रजनों के परस्पर प्रेम एकता हेतु सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में समाज सेवा का कार्य उनसे जितना हो सके वे कार्य उन्होंने पूर्ण ईमानदारी से किया। इन्हीं कारणों से उन्हें रं लुंग्बा का सामाजिक प्रेरणास्रोत माना जाता है।

सामाजिक चिन्तक- नैन सिंह जी के सफल प्रयासों से हम सब आज दंगे दंग में मन्दिरों की सुन्दर श्रृंखला देख पा रहे हैं (जब इस पवित्र दंगों देव दं बं पर मन्दिर निर्माण कार्य शुरू होने वाला था। सभी खरीदे निर्माण सामग्रियों व कार्य करने वाले लोग यहाँ पहुँच गये थे। मन्दिर निर्माण कार्य शुरू करने के लिये खुदाई शुरू करनी थी तब यहाँ सर्वप्रथम खुदाई शुरू करने के लिए कोई क्षेत्रजन व निर्माण कार्य करने वाला व्यक्ति तैयार नहीं हुआ क्योंकि कुछ रूढ़िवादी सोच वाले लोगों ने अफवाह फैला दी थी कि इस पवित्र दंगों दं बं भू-भाग में जो खुदाई करेगा उसे प्रकृति और दैवीय शक्ति का दण्ड झेलना पड़ेगा। उस समय रूढ़िवादी सोच के डर से कोई भी व्यक्ति यहाँ खुदाई शुरू करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। इस विकट समस्या पर रूढ़िवादी सोच से हटकर श्रद्धेय नैन सिंह बोनाल ने कहा कि मैं यहाँ सर्वप्रथम खुदाई करूंगा। चाहे मुझे प्रकृति और दैविय दण्ड झेलना पड़े। मैं झेलूँगा कहते हुए खुदाई की सर्वप्रथम
शुरूआत उन्होंने मन्दिर निर्माण कार्य हेतु किया तभी इस पवित्र दंगों देव दं बं पर मन्दिर निर्माण कार्य शुरू हो पाया। (कथन नैन सिंह बोनाल जी की पत्नी आवती गुंज्याल बोनाल) समाज सेवक श्रद्धेय नैन सिंह बोनाल के कार्यफल से ही वर्तमान में पवित्र दंगों देव दं बं पर इस प्रकार से मन्दिरों की सुन्दर श्रृंखला देख पा रहे हैं।

सन् 1977 संगठन (समिति) स्यांग सैं ह्या गबला देव की मूर्ति लाने की जिम्मेदारी उस समय के सक्रिय कार्यकता नैन सिंह बोनाल जी और रूप सिंह दताल (नेता जी) को सौंपी। पूर्व प्रस्ताव के आधार पर नैन सिंह बोनाल अपने सहायक (सहयोगी) रूप सिंह दताल (नेता जी) के साथ दाँतू के सामूहिक ह्या गबला देव मन्दिर हेतु स्यांग सैं ह्या गबला की मूर्ति को जयपुर में बनवाने के लिए मई 1978 को गये। अगस्त 1978 को यह मूर्ति जयपुर राजस्थान से गोठी, धारचूला लाया गया। इस स्यांग सैं ह्या गबला की मूर्ति को सभी चौदह गाँवों में परिक्रमा करवाते हुए 23-08-1978 को दाँतू गाँव में मूर्ति पहुँचाई गई और 24-08-1978 को आदि देव 'स्यांग सैं ह्या गबला देव' गबला मन्दिर में स्थापित किया गया। सामाजिक चिन्तक नैन सिंह बोनाल जी ने दारमा के सामाजिक बुद्धिजीवियों ने उन्हें सौंपी जिम्मेदारी को बखूबी से निभाते हुए इन सभी सामूहिक कार्यों को सन्ताशजनक ढंग से सम्पन्न करवाया। इसके साथ ही श्रद्धेय नैन सिंह बोनाल और उनके अनुज भ्राता इन्जीनियर श्री फल सिंह बोनाल जी के सौजन्य से अपनी माता स्व. सुरमा देवी दताल बोनाल की दादी यानि नैन सिंह व फल सिंह जी की परनानी महान समाजसेविका जसुली देवी जी की मूर्ति को मूर्तिकार-डी.आर. सीपाल जी से बनवाकर स्थापित करवाया। यह लला जसुली जी की मूर्ति पूरे रं लुंग्बा का प्रथम रं मूर्ति (स्टेचू) था और है जो वर्तमान समय पर भी लला जसुली दं बं पर स्थित है।

उपरोक्त सेवा कार्यों के बाद उनके जीवन के अगले चरण में धारचूला ब्लॉक में कनिष्ठ उप प्रमुख के पद पर कार्य किया। इसके बाद वे ग्राम बौंन में 1970-80 के दशक में दो बार ग्राम प्रधान पद पर चुने गये। समाज सेवक नैन सिंह जी धारचूला ब्लॉक के सच्चे, ईमानदार, निष्ठावान, निःस्वार्थ समाज सेवक के रूप में उभरे।

राजनीति भूमिका- श्रद्धेय नैन सिंह बोनाल जी ने राजनीति की पारी सन् 1969-1970 में काँग्रेस पार्टी की सदस्यता लेकर किया। काँग्रेस पार्टी में शामिल होकर उन्होंने अपने पूरे राजनीति जीवन पदाधिकारी पद की लालसा किए बिना एक सक्रिय सदस्य के रूप में कार्य किया। उन्होंने समय-समय पर कांग्रेस संगठन के साथ मिलकर कई बार कांग्रेस सदस्यता अभियान चलाया। सामाजिक चिन्तक नैन सिंह बोनाल जी ने कांग्रेस पार्टी में पद की प्राथमिकता उनके जीवन में कभी नहीं रहा। वे जमीनी सक्रिय कार्यकर्ता का काम संगठन के पदाधि कारी से अधिक महत्वपूर्ण समझते थे। वे हमेशा स्वदेशी खादी कुर्ता-पायजामा ही पहनते थे। पार्टी में सक्रिय कार्यकर्ता का सम्बन्ध पार्टी सदस्यों और पदाधि कारी दोनों के साथ होता है। दोनों ही पक्ष सक्रिय कार्यकर्ता की बात सुनते व मानते हैं। इसी से आप समझ सकते हैं कि संगठन में सक्रिय कार्यकर्ता की क्या भूमिका होती है। कांग्रेस पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता सामाजिक चिन्तक नैन सिंह बोनाल की महत्वपूर्ण भूमिका के माध्यम से सन् 1986-1987 में प्रधान मन्त्री राजीव गांधी जी को गेठी बुलाने में वे सफल रहे। इसी से आप स्पष्ट समझ सकते हैं कि उनके पास कांग्रेस पार्टी का कोई पद न होने के बाद भी उनकी कांग्रेस संगठन में क्या महत्व था। उनकी ईमानदार-कर्तव्य निष्ठता के सिद्धान्त ही उनका मूल मन्त्र था।

समाज सेवक नैन सिंह बोनाल जी ने अपने जीवन यात्रा में सम्भाले कुछ मुख्य सामाजिक पद का विवरण- 1. सहायक गणक (सुपरवाईजर)-बौंन-दुग्तू साधन सहकारी समिति। 2. अध्यक्ष नवयुवक संघ/मंगल दल-बौंन। 3> अध्यक्ष दारमा उत्थान समिति। 4. ग्राम प्रधान-बौंन। 5. सक्रिय सदस्य-कांग्रेस ब्लॉक कमेटी धारचूला। 6. उपाध्यक्ष कल्याण संस्था शाखा धारचूला। 7. सदस्य एकीकृत जनजाति विकास समिति नाचनी मुनस्यारी। 8. सदस्य खादी कमीशन सलाहकार समिति धारचूला। 9. संचालक जिला सहकारी बैंक पिथौरागढ़। 10. ब्लॉक कनिष्ठ प्रमुख क्षेत्र समिति धारचूला। 11. सदस्य-कैलाशाश्रम स्वराज्य संस्था धारचूला। 12. सदस्य उ.प्र. सरकार द्वारा आयोजित भारत भ्रमण प्रोग्राम के सदस्य में सम्मिलित हुए उन्हें कई धार्मिक स्थानों एवं प्रतिष्ठानों से रूबरू होने का अवसर प्राप्त हुआ था।

समाज सेवक बोनाल जी ने अपने जीवन के उनसाठ बसन्त देखने के बाद अपने घर गोठी में स्वस्थ स्वास्थ्य में दिनांक 3.5.1998 की रात को लगभग आठ बजे अचानक हृदयगति रुक जाने से हम सभी को छोड़कर ईश्वर के पास चले गये। उनके द्वारा किये गये बहुत सारे सामाजिक कार्यों से हम हमेशा उन्हें याद करते हुए उनके ईमानदार-कर्तव्यनिष्ठ कार्य प्रणाली से प्रेरणा लेते रहेंगे। जिन्होंने अपना सारा जीवन समाज की भलाई के लिए चिन्तनशील रहते हुए समाज को समर्पित किया। इन्हीं कारणों से उन्हें रं लुंग्बा का महान सामाजिक चिन्तकों की श्रेणी में रखा जाता है। इसका मुख्य कारण उनके द्वारा किसी भी पक्ष-विपक्ष के बहकावे में आए बिना साफ छवि ईमानदार कर्तव्य निष्ठता व्यक्तित्व से किया कार्य माना जाता है। सामाजिक चिन्तक नैन सिंह बोनाल ने समाज में किये गये सांस्कृतिक, राजनैतिक और सामाजिक उत्थान के कार्य को संज्ञान में लेकर रं कल्याण संस्थान ने अपने वार्षिक आम सभा (एजीम 2011) ग्राम-दाँतू (दारमा) में उन्हें रं गौरव सम्मान से सम्मानित किया।

समाज सेवक नैन सिंह बोनाल जी के परिवार का संक्षिप्त विवरण- वैसे तो निःस्वार्थ समाज सेवा के प्रति निष्ठावान समाज सेवक का परिवार पूरा समाज होता है। फिर भी ऐसे धनात्मक सोच वाले सामाजिक चिन्तक के निजी जीवन का थोड़ा जिक्र होना ही चाहिए। बोनाल जी ने अगस्त 1964 में गुंजी गाँव की आवती गुंज्याल जी से विवाह किया। धर्मपत्नी आवती जी से दो पुत्र (गगन सिंह, धीरेन्द्र सिंह) और दो पुत्रियां (शकुन्तला, विशन्तला) हुई। समाज सेवक-श्रद्धेय नैन सिंह बोनाल के दोनों पुत्र भारत सरकार के अधीन सरकारी कार्यालयों में अपनी सेवा दे रहे हैं। उनके चारों बच्चे अपने-अपने दाम्पत्य जीवन के सुख भोग रहे हैं। वर्तमान समय में उनकी धर्मपत्नी आवती गुंज्याल बोनाल उम्र के अस्सीवे पड़ाव में अपनी सभी बच्चों के साथ खुशनुमा जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

रामपुर तिराहा काण्ड आरोपित पेश, सुनवाई टली

मुजफ्फरनगर। उत्तराखण्ड आन्दोलन से जुड़े रामपुर तिराह काण्ड के तीन मामलों में सुनवाई टल गई। कोर्ट में आरोपित पेश हुए किन्तु जिला बार संघ सदस्य अधिवक्ता के निधन के कारण कचहरी में वर्क रहा, जिस कारण सुनवाई न हो सकी। कोर्ट ने सरकार बनाम राधा मोहन द्विवेदी, सरकार बनाम एसपी मिश्रा और सरकार बनाम ब्रजकिशोर मामले में 22 सितम्बर की तिथि निर्धारित कर दी।

दस साल की सेवा के बाद नियमित होने की आश, कैबिनेट सहमति

देहरादून। प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के दस साल की सेवा पूरी कर चुके अस्थायी कर्मचारियों के नियमित होने की आश है। कैबिनेट की सहमति के बाद अब कट ऑफ डेट पर विचार के लिये बैठक होगी।

राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कार्मिक विभाग यह प्रस्ताव लाया था। नैनीताल हाईकोर्ट ने भी प्रदेश सरकार को 2013 की नियमावली के तहत 10 साल की सेवा पूरी करने वाले शेष्ट रह गए अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने के निर्देश दिए थे।

रामलीला तालीम शुरू

गंगोलीहाट/अल्मोड़ा। आगामी रामलीला आयोजन को लेकर जगह-जगह तालीम शुरू हो चुकी हैं। कई जगह कमेटियों का गठन, रामलीला के लिये सामग्री की व्यवस्था की जा रही है।

गेय नाट्य शैली की परम्परागत पर्वतीय रामलीला के मंचन के लिये महाकाली दरबार में रामलीला एवं सांस्कृतिक मंच की तालीम जारी है। अल्मोड़ा में हुक्का क्लब सहित अन्य स्थानों पर तालीम व तैयारी होने लगी हैं। बागेश्वर से भी तालीम की सूचना मिली है। जसपुर में रामलीला कमेटी का गठन किया गया है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क
7351285555

नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE

Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

दीपक बल्युटिया

प्रदेश प्रवक्ता
उत्तराखण्ड
कांग्रेस

इंसप्रेशन ऑफ
टैक्नालाजी कालेज
नैनीताल रोड, हल्द्वानी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)